आवश्यकतायें तथा की गई आपूर्ति की कुल मात्रा निम्न प्रकार है:—

('000 टन में)
आँकड़े अनंतिम

वर्ष	मांग	प्रेषण
1992-93	12125	10714
1993-94	12074	10784

(ग) और (घ) कोयला कम्पनियां इस स्थिति में हैं कि वैगनों की उपलब्धता तथा कोयले की आपूर्ति के एवज में भुगतान सहित समग्र अवरोधों के भीतर उ०प्र०रा०वि०बो० की समग्र मांग को पूरा करने की स्थिति में है। विद्युत क्षेत्र की दैनिक आधार पर कोयला प्रेषण का प्रबोधन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मंत्रिमंडल सचिवालय में सचिव (समन्वय) की अध्यक्षता में उच्च स्तर पर स्थिति का प्रत्येक सप्ताह पुनरीक्षक किया जाता है। विद्युत क्षेत्रों को कोयले के संचलन के मामले में रेलवे द्वारा अत्यधिक प्राथमिकता दी जाती है। सामयिक पुनरीक्षा के आधार पर, जहां कहीं भी आवश्यक होता है, उपचारात्मक कार्रवाई की जाती है।

Joint sampling of coal at loading end

825. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of COAL be pleased to refer to the answer to UnStarred Question No. 1731 given in the Rajya Sabha on 19th December. 1994 and state:

(a) whether the joint sampling of coal at the loading end is being done as per India Standard rS438/1984;

(b) ff so, whether the loading is being done by Coal India Limited through mechanical means viz. belt conveyors or rapid loading system: what percentage of despatched coal is being loaded through pay-loaders;

(c) how much time is being taken normally by the collieries to pick up samples from the selected wagons in the rake, and

(d) what is the free time allowed to the collieries to load a rake?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) The sampling of coal for determination of quality is required to be carried out as per Clause 3(A) of Colliery Control Order, 1945. The Coal Controller with the Government of India has requested Bureau of Indian Standards to modify the sampling procedure to make it realistic and practicable. Based on study of Central Fuel Research Institute. Jealgora, Dhanbad and further confirmed by experiments carried out at the loading points by Coal Con troller a simplified system of sampling of Coal has been circulated by the Coal Controller which has been adopted by the coal companies for verification of quality of despatches in their joint Sampling arrangements.

(b) According to Coal India Ltd (CIL), loading of coal into wagons is being done partly through belt conveyors/ rapid loading system and parly through payloaders. The percentage of coal despatches, loaded through payloaders varies from coal company to coal company. This percentage is around 18 per cent in South Eastern Coalfields Ltd. (SECL) and 83 per cent in case of Mahanadi Coalfields Ltd. (MCL).

(c) According to Coal India Limited the time taken for collection of samples after the rake is loaded varies from 2 to 4 hours.

(d) As per Railway Rules the following tree loading time is allowed to the collieries to load a rake.

Mechanical Loading:

(A) For rake size of less than 113 Four Wheeler Wagons (FWW) — 5 Hours

(B) for rake size above 113 FWW — 8 Hours

Manual Loading:

(A) For rake size less than 133 Four Wheeler Wagons (FWW) — 8 Hours

(B) For rake size of above 113 FWW — 10 Hours

बेहतर किस्म के कोयले का आयात

826. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान बेहतर किस्म के कोयले का आयात किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्षवार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) स्वदेशी कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं तथा ऐसी नई कोयला खानों में कार्य शुरू करने की कौन सी योजनायें हैं जहां अपेक्षाकृत बेहतर किस्म का कोयला मिल सके?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : इस संबंध में माननीय सदस्य का आशय निम्न राख वाले कोककर कोयले का आयात से है, जोकि धातुकर्मी प्रयोजनों के लिये प्रयोग में लाया जाता है। इस्पात संयंत्र निम्न राख वाले कोककर कोयले के बड़े आयातकर्ता हैं, जोकि समग्र मिश्रण के गुणवत्ता में सुधार किये जाने के लिये देशीय आपूर्ति के साथ मिश्रण करने के प्रयोजन से तथा कोककर कोयले की मांग तथा देशीय उपलब्धता के बीच अंतराल को पूरा किये जाने के लिये आयात करते हैं।

(ख) भारतीय इस्पात प्राधिकरण तथा विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान आयातित किये गये कोककर कोयले की मात्रा नीचे दी गई है:—

कम्पनी का नाम	वर्ष	आयात की मात्रा (मिलियन टन में)
सेल	1991–92	4.255
	1992–93	4.248
	1993–94	4.754
वी.एस.पी.	1991–92	0.989
	1992–93	1.658
	1993–94	1.884

(स्रोत : सेल और वी.एस.पी.)

(ग) चालू परियोजनाओं के विकास में तेजी लाई जा रही है और इस्पात संयंत्रों के लिये अपेक्षित ग्रेड के कोयले के उत्पादन के लिये नई खानें खोली जा रही हैं। देशीय कोककर कोयले की गुणवत्ता में सुधार किये जाने के लिये निम्नलिखित मुख्य कदम उठाये जा रहे हैं:—

(i) विद्यमान कोककर कोयला वाशरियों का आधुनिकीकरण तथा नवीनीकरण।

(ii) कोल इंडिया लि० द्वारा इस्पात संयंत्रों के प्रयोग के लिये कोककर कोयले की धुलाई करने हेतु नई वाशरियों की स्थापना किया जाना।

(iii) देशीय कोयले की धुलाई क्षमता में वृद्धि किये जाने के लिये कोल इंडिया लि० ने "स्व-निमित–स्व-चालित" के अन्तर्गत निजी क्षेत्र की भागीदारी में वाशरियों को स्थापित किये जाने के लिये विश्व-व्यापी निविदायें आमंत्रित की हैं।